Lehron ka keher [Hindi]

Sagar Borker, MD

Associate Professor in PSM, ABVIMS & Dr Ram Manohar Lohia Hospital, New Delhi.

Corresponding Author:
Dr Sagar Borker,
PGIMER & Dr Ram Manohar Lohia Hospital,
Baba Kharag Singh Marg, New Delhi - 110001.
Email: sagarborker at gmail dot com

Submitted: 17-Jun-2021 Accepted: 21-Sep-2021 Published: 11-Nov-2021

रैली पर चले नेताजी,
भाषण सारा रटा हुआ ।
टीका देने अस्पताल में,
डॉक्टर भैया डटा हुआ ।
नेताजी बोले, 'डॉक्टर साहब सब बढ़िया ?'

प्रोटोकॉल तोड़ते मफलरवाले,
दवाई, टेस्ट हुआ दुर्गम ।
एक दूसरे के साथ आँखमिचौली,
राजनीति का हुआ संगम ।
परमआदरणीय चौकीदार साहब बोले, 'डॉक्टर साहब सब बढ़िया ?'

चर्सी बम्बैया में दिलचस्पी,
मी टू मी टू पे तब चर्चा ।
अब झुलसती चिताओं की गर्माहट से
पत्रकार चलाए अपना खर्चा ।
पत्रकार बोला, 'डॉक्टर साहब सब बढ़िया ?'

चार हजार के पार भारतवर्ष का कांटा,
न आई दीदी, न आया टाटा ।
शमशान घाट की कालाबाजारी ने
दूर दराज तक फैला दिया रायता ।
दफनानेवाले ने कहा, 'डॉक्टर साहब सब बढ़िया ?'

Cite this article as: Borker S. Lehron ka keher [Hindi]. RHiME. 2021;8:109-11.

माई लॉर्ड बोले कोर्ट नहीं खोलेंगे,
सांसद ने मौनव्रत अपनाया ।
मैट्रों को भी लग गया ताला,
राजधानी बनी कोरोना का निवाला ।
जज साहब बोले, 'डॉक्टर साहब सब बढ़िया ?'

शिक्षिका मेडम आई वर्चुअल,
मोटी रकम का डंका बजा ।
डॉक्टर साहब को बच्चों की पढ़ाई
लगी जैसे कालेपानी की सजा ।
टीचर बोली, 'डॉक्टर साहब सब बढ़िया ?'

नौकरानी हुई शादी ब्याह में व्यस्त,
व्हाट्ससैप पर मांगती दवाई ।
अब न आन पाऊँ आपके घर,
मुड़ती ना अब मेरी कलाई ।
बाई बोली, 'डॉक्टर साहब सब बढ़िया ?'

लॉकडाऊन का लिया था ठेका,
कर्फ्यू में भी बिका पउआ ।
शटर की आवाज़ मात्र से,
ग्राहक को मिला घी और मेवा ।
दुकानदार बोला, 'डॉक्टर साहब सब बढ़िया ?'

होली के रंग लुभाते,
झोली पूरी स्वरक्तरंजित ।
दूरध्वनी पर दिया दिलासा,
दोस्त तू हो ना विचलित ।
यार बोला, 'डॉक्टर साहब सब बढ़िया ?'

हर मरीज को बेड, ऑक्सिजन, वेंटिलेटर दिलाया,
खुद की बीबी को दिला न पाया ।
सुविधाओं के आभाव में खुददार ने
बीबी को भी गवाया ।
मरीज ने कहा, 'डॉक्टर साहब सब बढ़िया ?'

मृत शैय्या पर लेटा था इंटर्न,
सौ दिन ड्यूटी का मिला सम्मान ।
बचाने वाला था न कोई प्राणवायु,
पानी, खून को भी तरसा जवान ।
इंटर्न बोला, 'डॉक्टर साहब सब बढ़िया ?'

कल करे सो आज कर,
आज करे सो अब ।
पैरवी, जुगाड़ पे नजर गढ़ाए बैठे सब
तो लाचार जरूरतमंद को मिलेगा न्याय कब ।
पाप धोते महाकुंभ में
परम पूज्य को गैया का आशिर्वाद ।
गोबर, गौमुत्र के स्पर्शमात्र से
योगगुरू करें वायरस बरबाद ।
बाबाजी बोले, 'डॉक्टर साहब सब बढ़िया ?'

चित्रगुप्त की नोटशीट पर,
लिखा हुआ फरमान निराला ।
अंहकारोन्मादी ,कामचोर का
यमलोक से भी होगा देशनिकाला ।
पौंड्रक (यमराज का वाहन) बोले, 'डॉक्टर साहब सब बढ़िया ?'

जबान लड़खड़ाई महाकवि व्यास की,
नया अध्याय महाभारत का कालान्तरित किया ।
तीसरी लहर की क्रूरता ने जब
नवजात बालक को भी निगल लिया,
नवजात शिशु बोला, 'डॉक्टर साहब सब बढ़िया ?'

फिर डॉक्टर गया यमलोक,
दिख गया बड़ा जुलूस ।
सिस्टर, सफाई कर्मचारी, पुलिस,
सभी दिखे बड़े मायूस ।
सभी फ्रंटलाइन वर्कर, हैल्थकेयर वर्कर बोले, 'डॉक्टर साहब सब बढ़िया ?'

गणपति बप्पा करे गहन विचार,
भोलेनाथ भी थे लाचार ।
मोदक को भी सैनिटाइज़ करवाते,
बच्चा उनका होन न बीमार ।
त्रिभुवन से आवाज आई, 'डॉक्टर साहब सब बढ़िया ?'

लहरों के इस कहर में,
दिल, इरादे, चरित्र को सेनिटाइज़ करवालेने की गुजारिश है ।
झूठे वादे, जुमले के साथ सोशल डिस्टेंसिंग करें,
बुरी नजरों को मास्क लगाने की फरमाइश है ।